जंगली सुअर देखने पर क्या करें और क्या न करें

ये करें ✓

- जंगली सुअर से सुरक्षित दूरी बनाकर रखें
- रात में जंगली सुअर वाले इलाकों से गुज़रते समय टॉर्च का इस्तेमाल करें, समूह में चलें और ऊंची आवाज़ में बाते करते रहें
- जंगली सुअर के बहुत पास आ जाने की स्थिति में तेज़ आवाज़ करें। उससे सुरक्षित दूरी स्थापित करने के बाद ही उस पर से अपनी नज़र हटाएं
- गाँव या रास्ते में जंगली सुअर दिखने पर शांत रहें, धीरे–धीरे पीछे हो जाएं और उससे दूर चले जाएं
- जंगली सुअर और शावक या उसका झुंड सामने आ जाने पर अपने वाहन से न उतरें
- अपने खेतों को सुरक्षित रखने के लिए कलई चढ़े हुए इस्पात के बाड़ लगाएं जिसके पत्थर के आधार को कम–से–कम 1 फुट ज़मीन के अंदर ज़रूर दबा दें
- कूड़ेदानों/डिब्बों पर ढक्कन लगाकर रखें क्योंकि इनसे जंगली सुअर आकर्षित होते हैं
- जंगली सुअर के आक्रमण करने पर तुरंत पास के अस्पताल जाएं

ये न करें ✗

- इस जानवर को घेरे नहीं और इसे उकसाए नहीं; इससे यह आप पर आक्रमण कर सकता है
- जंगली सुअर के शावकों के पास न जाएं और उनका पीछा न करें क्योंकि उन्हें बचाने के लिए वयस्क सुअर आप पर आक्रमण कर सकता है
- जंगल में अकेले गैर–लकड़ी वन उत्पाद (एनटीएफपी) जैसे तेंदू पत्ता, महुआ फूल या बांस इकट्ठा करने न जाएं
- जानवर का पीछा न करें और उसे परेशान न करें। ऐसा करने से वह आप पर आक्रमण कर सकता है
- जंगली सुअरों को पत्थर न मारें क्योंकि अपना बचाव करने के लिए वे आप पर आक्रमण कर सकते हैं
- खुले में या सड़कों के किनारे कूड़ा और खाने से निकला कचरा न फेंकें
- जंगल में या जंगल के आस पास शौच न करें; शौचालय का इस्तेमाल करें
- जंगली सुअर के आक्रमण से लगी चोटें गंभीर होती हैं इसलिए तुरंत अस्पताल जाएं और खुद उसका उपचार न करें

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत–जर्मनी सहयोग

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत–जर्मनी सहयोग

2017 – 2023
भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन